भारत सरकार
योजना मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 559
दिनांक 21 नवम्बर, 2016 को उत्तर देने के लिए

योजना बनाने की स्थिति

559. श्री सी. पी. नारायणन:

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में योजना बनाने का कार्य अब भी किया जा रहा है;
(ख) यदि हां, तो अर्थव्यवस्था के किन-किन क्षेत्रों में यह कार्य किया जा रहा है;
(ग) क्या सरकार की इसे पूर्ण रूप से समाप्त कर देने की मंशा है और यदि हां, तो कब तक;
(घ) सरकार का सामाजिक बुराइयों जैसे कि भुखमरी, असाक्षरता, रुग्णता, गरीबी इत्यादि को कैसे समाप्त करने का विचार है; और
(ङ) परियोजनाएं किस प्रकार से बनाई जाएगी तथा उनके लिए निधियां कैसे निर्धारित की जाएगी?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय
तथा राज्य मंत्री, शहरी विकास एवं
आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय
(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (ङ): नीति आयोग ने 12वीं पंचवर्षीय योजना (जो कि मार्च, 2017 में समाप्त होगी) से आगे की अवधि के लिए दृष्टिकोण और कार्यनीति तैयार करने का कार्य प्रारंभ किया है, जिसके अंतर्गत अलग-अलग समय के अनुसार निम्नलिखित अंतः संबद्ध दस्तावेज तैयार किए जाने का प्रस्ताव है:

- लगभग 15 वर्षों अर्थात् 2030 तक के लिए निर्धारित किए गए सामाजिक लक्ष्यों और/या प्रस्तावित और संधारणीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को ध्यान में रखते हुए एक दृष्टिकोण पत्र जो एसडीजी को हासिल करने की अवधि के सहकालिक है।
- 3 वर्षों अर्थात् मार्च, 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के पश्चात, मध्यावधि समीक्षा के साथ दीर्घकालिक दृष्टिकोण को कार्यान्वयन योग्य नीति और कार्य में "राष्ट्रीय विकास एजेंडा" के एक हिस्से के रूप में परिवर्तित करने हेतु 2017-18 से 2023-24 के लिए एक 7 वर्षीय कार्यनीति।
- 14वें वित्त आयोग की अधिनिर्णय अवधि के दौरान वित्तीय संसाधनों की पूर्वानुमेयता के अनुरूप 2017-18 से 2019-20 के लिए एक 3 वर्षीय कार्यान्वयन दस्तावेज। यह 2019 तक सरकार के हासिल किए जाने वाले लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होगा।